

प्रेषक,
अतर सिंह,
उप सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा मे,
मुख्य चिकित्साधिकारी,
देहरादून ।

चिकित्सा अनुभाग-5

विषय: वित्तीय वर्ष 2006-07 में राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय मालदेवता, जनपद देहरादून के भवन निर्माण हेतु धनराशि स्वीकृति ।
महोदय,

देहरादून: दिनांक : 30 अगस्त, 2006

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0-7प /1/ एस0ए0डी0 /21/2006/20936 दिनांक 06.7.2006 के संदर्भ में क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2006-07 में राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय मालदेवता, जनपद देहरादून के भवन निर्माण कार्य हेतु कार्य की लागत रू0 47,55,000.00 (रू0 सैतालीस लाख पचपन हजार मात्र)पर प्रशासकीय एवं वित्तीय अनुमोदन प्रदान करते हुए चालू वित्तीय वर्ष में उक्त कार्य हेतु रू0 47,55,000.00 (रू0 सैतालीस लाख पचपन हजार मात्र) की धनराशि के व्यय की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

2- एकमुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत प्रस्ताव बनाकर सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त कर लें । प्रस्तावित कार्य मृदा परीक्षण के उपरान्त ही कराया जायेगा ।

3- कार्य कराते समय लो0 नि0 विभाग के स्वीकृत विशिष्टों के अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाये। कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेन्सी का होगा।

4- धनराशि तत्काल आहरित की जायेगी तथा तत्पश्चात् परियोजना प्रबन्धक, उत्तरांचल पेयजल निगम को उपलब्ध कराई जायेगी । स्वीकृत धनराशि का उपभोग प्रत्येक दशा में इसी वित्तीय वर्ष के भीतर सुनिश्चित किया जायेगा । निर्माण एजेन्सी कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर ले कि कार्य स्वीकृत लागत में ही पूर्ण कराया जायेगा तथा किसी भी दशा में लागत पुनरीक्षित नहीं की जायेगी ।

5- स्वीकृत धनराशि के आहरण से संबंधित वाऊचर संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जायेगी तथा धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्राविधानों में बजट मैनुअल तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

6- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दरों में जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से भी ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार कम से कम अधीक्षण अभियन्ता स्तर के अधिकारी का अनुमोदन आवश्यक होगा ।

- 7- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय ।
- 8- कार्य पर उतना ही व्यय किया जायेगा जितना कि स्वीकृत मानक है । स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय ।
- 9- एक मुश्त प्राविधन को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा ।
- 10- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें ।
- 11- कार्य करने से पूर्व स्थल का भली भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा ले । निरीक्षण के पश्चात् आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।
- 12- आगणन को जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए । निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से परीक्षण करा ली जाय, उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाए ।
- 13- स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या प्रत्येक दशा में माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर शासन को उपलब्ध कराई जायेगी । यह भी स्पष्ट किया जाएगा कि इस धनराशि से निर्माण का कौन सा अंश पूर्णतया निर्गत किया गया है ।
- 14- निर्माण के समय यदि किसी कारणवश यदि परिकल्पनाओं/विशिष्टियों में बदलाव आता है तो इस दशा में शासन की पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी ।
- 15- निर्माण कार्य से पूर्व नींव के भू-भाग की गणना आवश्यक है, नींव के भू-भाग की गणना के आधार पर ही भवन निर्माण किया जाय ।
- 16- उक्त भवनों के कार्यों को शीघ्र प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जाए ताकि लागत पुनरीक्षित करने की आवश्यकता न पड़े ।
- 17- किसी भी कार्यालय/संस्थाओं को निर्माण को विस्तृत आगणन गठित करते हुए स्वीकृत ज्ञातव्य एवं नार्मस के अनुसार गठित किया जाये तथा मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन द्वारा निर्गत शासनादेश संख्या-2047Xiv-219(2006)देहरादून दिनांक 30.5.2006 में दिये गये निर्देशों का पालन कड़ाई किया जाये, पालन न करने पर निर्माण इकाई इसके लिए स्वयं उत्तरदायी होगी ।
- 18- जी0पी0डब्ल्यू0 फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा ।

19- उक्त व्यय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या -12 के लेखाशीर्षक 4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय-आयोजनागत -02-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवायें 110- अस्पताल तथा औषधालय 91-जिला योजना 9101-राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालयों के भवनों का निर्माण -00-24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा ।

20- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0- 540/वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/2006 दिनांक 25.8.2006 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे है ।

भवदीय,
(अतर सिंह)
उप सचिव

संख्या-563(1)/xxviii-5-2006-76/2006 तददिनांक ।

- प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-
- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, माजरा देहरादून ।
 - 2- आयुक्त गढ़वाल/ कुमाऊं मण्डल, उत्तरांचल ।
 - 3- स्टॉफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तरांचल ।
 - 4- जिलाधिकारी, देहरादून ।
 - 5- निदेशक, कोषागार, उत्तरांचल, देहरादून ।
 - 6- वित्त नियंत्रक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तरांचल ।
 - 7- महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तरांचल ।
 - 8- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून ।
 - 9- परियोजना प्रबन्धक, उत्तरांचल पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, ।
 - 10- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री ।
 - 11- बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून ।
 - 12- वित्त(व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3 / नियोजन विभाग/एन0आई0सी0
 - 13- गार्ड फाईल ।

आज्ञा से,
(अतर सिंह)
उप सचिव